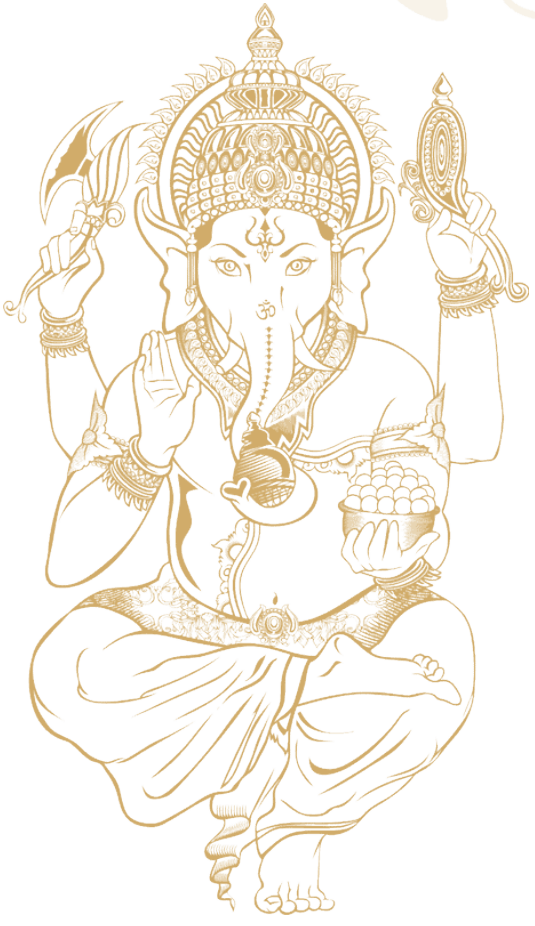

Shiv kumar mishra

Sneha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120842007

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/03/1992	जन्म तिथि	23/02/1992
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 13:50:00	जन्म समय	22:35:00 घंटे
घटी 19:32:10	जन्म समय(घटी)	40:13:09 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Basti
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	26:48:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	82:44:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	00:00:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:08	सूर्योदय	06:29:44
18:11:09	सूर्यास्त	17:55:42
23:45:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:08

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 10वर्ष 1मा 17दि	11:40:33	कर्क	लग्न	तुला	13:15:59	गुरु 13वर्ष 11मा 19दि
बुध	08:12:45	मीन	सूर्य	कुंभ	10:35:09	बुध
10/05/2021	24:53:24	तुला	चंद्र	तुला	21:41:31	12/02/2025
10/05/2038	01:47:57	कुंभ	मंगल	मक	10:28:32	12/02/2042
बुध 06/10/2023	15:45:14	मीन व	बुध	कुंभ	20:02:09	बुध 11/07/2027
केतु 02/10/2024	13:10:10	सिंह व	गुरु व	सिंह	16:37:24	केतु 07/07/2028
शुक्र 03/08/2027	16:33:17	कुंभ	शुक्र	मक	12:26:09	शुक्र 08/05/2031
सूर्य 09/06/2028	21:18:28	मक	शनि	मक	18:24:18	सूर्य 14/03/2032
चन्द्र 08/11/2029	11:37:25	धनु व	राहु व	धनु	14:21:35	चन्द्र 13/08/2033
मंगल 05/11/2030	11:37:25	मिथु व	केतु व	मिथु	14:21:35	मंगल 10/08/2034
राहु 25/05/2033	23:52:05	धनु	हर्ष	धनु	22:53:04	राहु 27/02/2037
गुरु 31/08/2035	24:58:18	धनु	नेप	धनु	24:21:02	गुरु 05/06/2039
शनि 10/05/2038	29:00:13	तुला व	प्लूटो	तुला	29:12:14	शनि 12/02/2042

लग्न-चलित

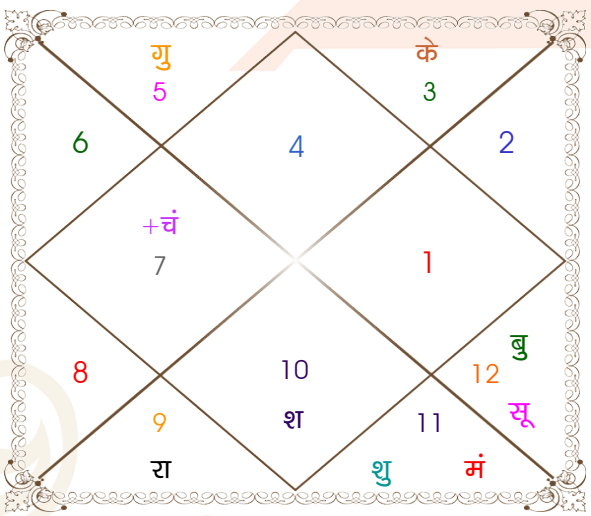

लग्न-चलित

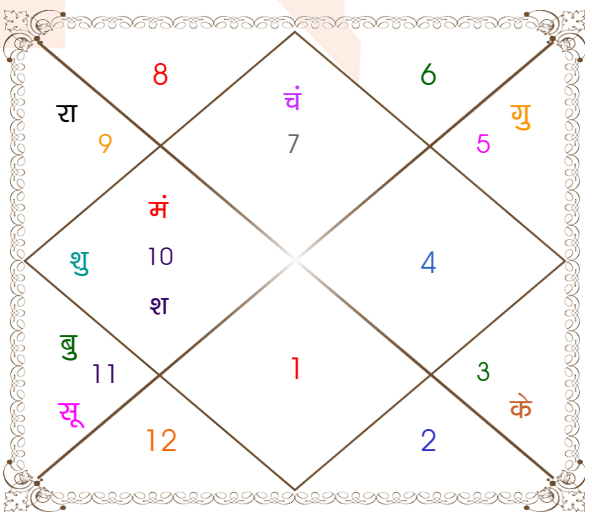

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	व्याघ्र	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

ौपअ ानउंत उपेीतं का वर्ग सर्प है तथा Sneha का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ौपअ ानउंत उपेीतं और Sneha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ौपअ ानउंत उपेीतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल ौपअ ानउंत उपेीतं कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Sneha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Sneha कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Sneha कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ौपअ ानउंत उपीतं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ौपअ ानउंत उपीतं तथा Sneha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।